

खबर संक्षेप

श्रीमति अंजली मिश्रा का आकस्मिक निधन



मण्डला। बिनेका निवासी प्रवीण मिश्रा की धर्मपति श्रीमति अंजली मिश्रा का शुक्रवार की रात आकस्मिक निधन हो गया वे पिछले 3-4 दिनों से बीमार चल रही थी जिनका उपचार जिला चिकित्सालय उसके बाद एक निजी नर्सिंग होम में कराया गया और जब बीमारी से कोई राहत नहीं मिली तो उन्हें कटरा अस्पताल में भी भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान शुक्रवार की रात उनका निधन हो गया श्रीमति अंजली मिश्रा समाज सेवा कार्यों में हमेशा अग्रणी रही हैं उन्होंने महिलाओं को संगठित किया वे बिनेका ग्राम संगठन की अध्यक्ष रही हैं महिला स्व-सहायता समूह जिला मण्डला सीएलएफ की ब्लॉक अध्यक्ष भी रही हैं राजनैतिक क्षेत्र में भी वे सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं पदवी ग्रामीण मण्डल की कार्यसमिति में इन्हें मंत्री पद का दायित्व दिया गया था अचानक उनके निधन से न केवल बिनेका ग्राम में बल्कि जिले में एक शोक का वातावरण निर्मित हुआ है। श्रीमति मिश्रा के निधन होने से निश्चित रूप से क्षेत्र में आजीविका मिशन की गतिविधियाँ प्रभावित होंगी। शोकाकुल परिवार में पति प्रवीण मिश्रा, बेटी सुश्री आंचल मिश्रा, जेट नवीन मिश्रा, श्रीमति आरती मिश्रा, देवर सुधीर मिश्रा, भतीजे अक्षय मिश्रा, अमोल मिश्रा शामिल हैं।

ब्रह्माकुमारी बहनों ने 148वीं बटालियन के जवानों को बाँधी राखी

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय पड़ाव वार्ड सेवाकेंद्र द्वारा 148वीं बटालियन में रक्षाबंधन का पावन पर्व हर्षोल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण में आयोजित किया गया। देश की सुरक्षा में तत्पर सीमा सुरक्षा बल (सीआरपीएफ) के जवानों के त्याग और समर्पण को नमन करते हुए ब्रह्माकुमारी बहनों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम में पड़ाव वार्ड सेंटर संचालिका ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी, 148वीं बटालियन के सेकंड इन कमांड भ्राता श्री प्रमोद कुमार



यादव,डिप्टी कमांडेंट भ्राता श्री मनोरंजन कुमार, इंस्पेक्टर भ्राता एम डी बंजारे,दीप्टि कमांडेंट, एस एम सूवेदार मेजर भ्राता एल बी थापा, मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ ही बटालियन के अनेक पुलिस जवान,

ब्रह्माकुमार भाई एवं बहनें बड़ी संख्या में शामिल हुए। ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रक्षासूत्र केवल सूत का धागा नहीं, बल्कि आत्मा का परमात्मा से

पवित्रता और सुरक्षा का संकल्प है। उन्होंने जवानों को तिलक लगाकर, कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर और मुख मीठा कराकर शुभकामनाएँ दीं। दीदी ने कहा, रहमारे देश के जवान सरहद और समाज की रक्षा करते हैं, आज हम

परमात्मा से उनकी हर विपदा से रक्षा की प्रार्थना करते हैं।

सभी को ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा आयोजित 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के तहत नशा मुक्ति प्रतिज्ञा कराई गई।

148वीं बटालियन के सेकंड इन कमांड भ्राता श्री प्रमोद कुमार यादव ने ब्रह्माकुमारीज संस्थान के इस कार्यक्रम की बहुत बहुत प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि घर से दूर रहकर देश सेवा में तैनात जवानों के लिए यह आयोजन अत्यंत भावुक और प्रेरणादायी है। बहनों द्वारा बांधा गया यह रक्षासूत्र जवानों में नया उत्साह, सकारात्मकता और आत्मबल भरता है।

बदहाली

आरईएस एजेंसी द्वारा निर्माण कार्यों पर गुणवत्ता के साथ किया जा रहा समझौता।

पहली बरसात में ही बदहाल हुई ग्रेबल सड़क

* आवंटन का 25 फीसदी भी नहीं करते खर्च।

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

पिछले काफी समय से आरईएस निर्माण एजेंसी द्वारा संपन्न कराये जा रहे निर्माण कार्यों पर बड़े स्तर में भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं एक स्थानीय पत्रकार द्वारा तो मय तथ्यों के एक वर्ष पूर्व जिला प्रशासन को निर्माण कार्यों की हकीकत से परिचित कराया था और इस शिकायत के आधार पर जिला पंचायत द्वारा आरईएस द्वारा कराये



जा रहे निर्माण कार्यों की जांच करने अदेशित किया गया था लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी न तो कोई जांच प्रतिवेदन ही सामने आया और न ही कोई कार्यवाही सार्वजनिक हुई।

यही कारण है कि यह निर्माण एजेंसी अन्य निर्माण कार्यों को लेकर भी पूरी तरह लापरवाह है। निर्माण कार्यों की स्थिति यह है कि 2-4 महीने में ही वे दम तोड़ रहे हैं।

हाल ही में बारिश के पूर्व पीपरपानी से रामबाग तक ग्रेबल सड़क निर्माण कार्य कराया गया कार्य पूरा इसलिये नहीं हुआ कि बीच में निजी भूमि को लेकर एक विवाद सामने आया और निर्माणाधीन

सड़क के कुछ हिस्से में निर्माण नहीं हो सका लेकिन जितने हिस्से में इस ग्रेबल सड़क का निर्माण कराया या वह पहली बरसात में ही दम तोड़ चुका है स्थिति यह है कि दोपहिया वाहन से निकलना पूरी तरह नामुमकिन सा है और पैदल चलना भी दुश्कर है। अब इस पर इस एजेंसी के तकनीकि अधिकारी कहते हैं कि अभी तो एक ही लेयर का काम हुआ है बाकी काम बरसात के बाद किया जायेगा अब यह जबाव समझ से परे है कि जब पर्याप्त समय था गर्मी के मौसम में तो फिर और कार्य क्यों नहीं किया गया, क्यों सिर्फ एक ही लेयर का कार्य हुआ अब तकनीकि अधिकारी यह बतायें कि ग्रेबल सड़क निर्माण में जब बजरी डाली जाती है तो वह कौन से लेयर के काम के उपरंत डाली जाती है क्या वेस बनाने के बाद बजरी डाली जाती है और फिर उसके ऊपर पुनः मिट्टी, मुर्ग बया डाला जायेगा यदि नहीं तो तकनीकि रूप से तो यही माना जायेगा कि एक बार आधार को मजबूती से बना दिया गया उसके बाद डस्ट डालकर काम पूर्ण कर दिया जाता है यदि ऐसा नहीं था तो फिर मिट्टी, मुर्ग डालने के बाद ऊपर से डस्ट डाली गई और ग्रामवासियों को यह बताया गया कि इतने हिस्से की सड़क तो बन चुकी है आगे का हिस्सा विवादित है जिसे बाद में बनाया जायेगा।

कन्या पूजन के साथ मनाया कजलियां पर्व



हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रेवा आदेश अन्नकूट आश्रम बकशेरा में कजलियां पर्व धार्मिक आस्था और परंपरा के साथ मनाया गया। श्री भोला भारती महाराज जी के सानिध्य

में विराट स्वरूप कन्या पूजन का आयोजन किया गया। कन्याओं का विधि-विधान से पूजन कर उन्हें प्रसादी वितरित की गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर पर्व की परंपराओं का निर्वहन किया। कन्या पूजन कार्यक्रम

श्रद्धालुओं के लिए विशेष रहा। पूजन के दौरान धार्मिक वातावरण और श्रद्धा का माहौल बना रहा। कार्यक्रम के समापन पर कजलियों का विधि-विधान से नर्मदा नदी में विसर्जन किया गया। बताया गया कि यह परंपरा विगत काफी वर्षों से जारी है।

बहन ने बांधी राखी, दिया हेलमेट, बोली-भाई, तेरी जिंदगी से बढ़कर कुछ नहीं

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक माना जाता है। इस बार कुछ बहनों ने इस पवित्र रिश्ते को एक अनोखा और भावुक संदेश देते हुए मनाया। उन्होंने अपने भाइयों की कलाई पर रेशम की डोर बांधी और उपहार में कोई महंगा सामान देने के बजाय उन्हें हेलमेट भेंट किया।

बहनों ने हेलमेट देते हुए भाइयों से वचन लिया कि वे जब भी दोपहिया वाहन लेकर सड़क पर निकलेंगे, तो हेलमेट जरूर पहनेंगे। बहनों का कहना था कि उनके लिए भाई की खुशियों से कहीं ज्यादा जरूरी उसकी सुरक्षित जिंदगी है। राखी की डोर कलाई पर कुछ समय के लिए रहेगी, लेकिन हेलमेट भाई को हर सफर में सुरक्षा का अहसास कराता रहेगा।

इस दौरान बहनों ने भाइयों से यह भी वचन लिया कि वे ओवर स्पीडिंग नहीं करेंगे, यातायात नियमों का पालन करेंगे और जल्दबाजी में अपनी और दूसरों की जिंदगी खतरे में नहीं डालेंगे। भाइयों ने भी बहनों पर बांधी राखी जहां प्रेम का सम्मान करते हुए सुरक्षित वाहन चलाने और हमेशा हेलमेट पहनने



का संकल्प लिया। बहनों के लिए यह सिर्फ राखी बांधने की रस्म नहीं थी, बल्कि भाई की लंबी उम्र और सुरक्षित भविष्य के लिए दिल से निकली प्रार्थना थी। अक्सर सड़क हादसों में छोटी-सी लापरवाही जिंदगी भर का दर्द दे जाती है। ऐसे में हेलमेट के रूप में दिया गया यह उपहार भाई के प्रति बहन के उस प्रेम को दर्शाता है, जिसमें खुशी से पहले उसकी जिंदगी और सुरक्षा मायने रखती है।

इस अनोखी राखी ने भाई-बहन के रिश्ते को एक नई संवेदना दी। कलाई पर बांधी राखी जहां प्रेम की निशानी बनी, वहीं हाथ में थमाया गया हेलमेट भाई की

जिम्मेदारी और बहन की चिंता का प्रतीक बन गया। बहनों ने संदेश दिया कि भाई की रक्षा की जिम्मेदारी केवल भाई की नहीं, बल्कि परिवार और समाज की भी है।

रक्षाबंधन पर बहनों की यह पहल लोगों के लिए भी प्रेरणादायक संदेश छोड़ गई— राखी का सबसे खूबसूरत उपहार वही है, जो किसी अपने की जिंदगी बचा सके। मिठाई, कपड़े और दूसरे उपहार समय के साथ पुराने हो सकते हैं, लेकिन बहन द्वारा दिया गया सुरक्षा का यह संकल्प भाई को हर बार सड़क पर निकलते समय उसकी बहन के प्यार और चिंता की याद दिलाता रहेगा।

ग्राम लिंगामाल में अखंड रामायण पाठ का मंडारा महाप्रसाद के साथ होगा समापन



हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

प्रतिवर्षानुसार पूरे श्रावण माह में निरंतर अखंड रामचरित मानस रामायण पाठ का पाठन ग्राम लिंगा पौड़ी में किया जा रहा है ग्राम के उपसरपंच उमाशंकर झारिया ने बतलाया कि पूर्व वाहिनी माँ नर्मदा मैया के तट ब्रम्हलीन श्री श्री त्यागी जी महाराज फट्टी वाले जी की जन्मस्थली मां दुर्गा मंदिर लिंगा माल में विगत कई वर्षों से सावन माह में अखंड रामायण का आयोजन किया

जा रहा है जिसकी पूर्ण आहुति रविवार को कन्या भोजन एवं भंडारा महाप्रसाद के साथ रामायण पाठ समापन किया जायेगा इस धर्मगंगा में मां दुर्गा सेवा समिति, मां नर्मदा महिला मंडल, नवयुवक कला मंडल एवं माताएं बहनें समस्त ग्रामवासियों का तन-मन-धन से सहयोग प्राप्त हुआ है अतः समस्त संत महात्मा, श्रद्धालुओं धर्म प्रेमी एवं आप-पास के ग्रामवासियों से अनुरोध है कि अखंड रामायण समापन में पहुंच कर कृतार्थ करें।

19 मवेशी और गाड़ी सहित तीन लोगों को लिया हिरासत में

मण्डला। जिले के बिछिया थाना में सूचना मिली कि कुछ लोगों के द्वारा गाड़ी आईसर क्रमांक एम एच 40 सीडी 7688 में मवेशी को भरा जा रहा है



सूचना के आधार पर करवाई करते हुए बिछिया पुलिस ने ग्राम चंदवारा में गाड़ी को अपने कब्जे में लेकर थाना बिछिया में अपराध क्रमांक 363/26 धारा 11(1). घ पशु कूरता निवारण अधिनियम, 4.6.10 मध्य प्रदेश कृषक पशु संरक्षण अधिनियम में आरोपी मोहम्मद अहसान पिता मोहम्मद हनीफ मुसलमान उम्र 28 साल हनुमान ताल जबलपुर तथा दिलशाद खान पिता गफ्फार खान उम्र 26 साल निवासी ग्राम बेगी बास देव थाना गंगोह जिला सहारनपुर उत्तर प्रदेश तथा अफसर खान पिता रमजान खान उम्र 30 साल मदार का छल्ला थाना हनुमानतल जबलपुर से आईसर क्रमांक एम एच 40 सीडी 7688 में 19 वोदा भैंसी मवेशी परिवहन करते जब्त कर अपराध पंजीकृत कर आपने कब्जे में लिया गया आगे की पूछताछ जारी है।

कजलिया पर्व के अवसर पर शहर में हुई स्नेहपूर्ण सद्भावना की बारिश

हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। रक्षा बंधन का पर्व हर्षोल्लास से मनाने के बाद शहर में दूसरे दिन यानि कल शनिवार को लोकपर्व कजलियों का त्यौहार बड़े ही धूमधाम व हर्ष के साथ मनाया गया। कजलियां पर्व के अवसर पर लोगों ने आत्मीयता, सद्भावना की अनोखी बरसात कर साबित कर दिया कि शहर में भाईचारे, अमन का माहौल अभी भी जीवंत बना हुआ दिखाई देने से नहीं चुका है। ज्ञात की इस वर्ष कजलिया पर्व शनिवार के दिन होने के चलते जहां भगवान श्रीराम जी व हनुमान मंदिर में भक्ति की ध्वनि फूंकलते हुये दिखाई पड़ रही थी तो दूसरी ओर दोपहर के बाद कजलियाँ पर्व की धूम नजर आने लगी थी। इस प्रकार कजलियाँ पर्व के अवसर पर बारिश के दौर पर ब्रेक लगने व मौसम खुशनुमा होने के संगम के बीच अनोखा महोल देखने मिला है। वही इस भाईचारे के पर्व पर लोगों ने कजलियाँ पर्व मनाने का अलग ही उत्साह दिखाई पड़ रहा था। इसी के चलते कजलिया पर्व पर लोगों ने अपने घरों में कन्याओं का कजलियां खोटने के बाद उनका विधि विधान से पूजन किया गया तथा इसके उपरांत शाम की बेला में महिलाएं कजलियां बिसर्जन हेतु शक्कर नदी लेकर पहुंची जहां पर उन्होंने शहर की जीवन रेखा माने जाने वाली शक्कर नदी में कजलियों को विसर्जन करते हुए वहां से लेकर आई हुई कजलियों को सर्व प्रथम



अपने अपने ईष्ट देवताओं को अर्पित की गई तथा इसके उपरांत लोगों द्वारा एक दूसरे से आदन प्रदान करते हुए वर्षों से चली आ रही परम्परा को कायम करते हुए गले मिले। स्नेह के बीच मनाये जाने वाले इस पर्व पर नगर से लेकर गांव गांव बुढ़े, महिलाओं व बच्चों सहित युवाओं ने कजलियों का अदान प्रदान कर परस्पर एक दूसरे को कजलियां पर्व की शुभकामनाएं देते हुये एकता व भाईचारे का संदेश दिया। वही शहरवासी कजलियां लेकर शोकाकुल घरों में पहुंचे जिनके परिजन प्रियजन को बिछड़ने से पीड़ित थे। उन्हें कजलियां देकर सात्वपना प्रदान की तथा विश्वास दिलाया कि वे उनके दुख के सहभागी है। इस प्रकार से शनिवार को कजलियां

पर्व पर नगर के मंदिरों में लोगों ने कजलियां मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें लोगों ने उपस्थित होकर अपना उल्लास प्रकट किया। गौरतलब है कि हिन्दू धर्मावलंबियों द्वारा कजलियों के पूजनोंपरांत उनक विसर्जन श्रद्धाभाव से शहर की जीवन रेखा शक्कर नदी में किया गया। इस मौके पर शक्कर नदी छिड़ावघाट पर जन्मेला जुटने का परिदृश्य नगर आ रहा था। शहर के छिड़ाव घाट पर भरे हुए कजलिया मेले में जहां बच्चों के अनेक मनोरंजन की सामग्री मौजूद रहने के कारण बच्चों का हजूम नजर आया। वही दूसरी ओर इस मौके पर महिला पुरुषों की भी काफी भीड़ देखने मिली। वही दूसरी ओर सुरक्षा की दृष्टि से यहां पर पुलिस बल

भी तैनात किया गया था। इसी प्रकार से समीपस्थ सांईखेड़ा, सालीचौका, चीचली सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी कजलियों का त्यौहार बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया, जिसके चलते ग्रामीण प्रथा के अनुसार गांव के एक निश्चित स्थल पर कजलियों को एकत्र करते हुए उनका सामूहिक रूप से पूजन करते हुए विसर्जन किया गया। वही महिलाओं द्वारा एकत्र की गई कजलियों के स्थल पर जहां अनेक प्रकार के सावन गीत गाये गये जिसके चलते संपूर्ण महौल बना ही मनोरम नजर आने से नहीं चूक रहा था। वही दूसरी ओर अनेक गांवों में शैरों का आयोजन किया गया। इस तरह आयोजित होने वाले शैरों के कार्यक्रम के संबंध में बताया जाता है कि गांव

के अनेक बुजुर्ग व युवा एकत्र होकर अपने हाथों में लकड़ी के डंडा लेकर एक दूसरे के डंडो से मारने हुए गोल चक्र बनाकर सावन गीत गाते हुए सावन की बेला को मनोरम बनाते है। वही दूसरी ओर कजलिया पर्व के अवसर पर अनेक जगहों पर आल्हा वाचन का कार्यक्रम होता है जिसके कजलियों (भुजारियों)की लड़ाई का वर्णन किया जाता है जिसके वर्षों से चल रही इस परम्परा की वर्णन किया जाता है। वही बताया जाता है कि समीपस्थ ग्राम बारहाबड़ा में भी कजलियों के पर्व पर अनेक प्रकार के आयोजित संपन्न हुआ, जिसमें लोगों द्वारा अपने अपने घरों में स्थापित की गई कजलियों के दोनों को महिलाओं द्वारा मंदिर पर ले जाया गया जहां पर सभी

ग्रामवासियों द्वारा एकत्र होकर अनेक प्रकार के आयोजन संपन्न किये गये। वही इसके उपरांत महिलाएं गांव के पास से निकलने वाली नदी में ले जाकर उनका विसर्जन किया गया। इसके बाद लोगों द्वारा अपने ईष्ट देवों को कजलियों समर्पित करने के बाद एक दूसरे से आदन प्रदान करने की शुरुआत की गई और इस दौरान यहां पर भी अनेक प्रकार के आयोजन संपन्न हुए। नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में कजलिया पर्व पर नगर में शांति व्यवस्था बनाने के लिए उप पुलिस अधीक्षक ललित सिंह डगपुर व नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान की टीम नगर में लगातार भ्रमण करते हुए देखी गई जिसके चलते कजलिया पर्व शांति पूर्वक संपन्न हुआ।

नगर की सड़कों से लेकर नर्मदा पुल के ऊपर पशुओं के बीच होने वाले टकराव के चलते वाहन चालकों की मुसीबतें बढ़ी

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर नगर की यातायात व्यवस्था पूर्णरूप से भगवान भगसे चलते हुए देखी जा रही है, वही दूसरी ओर आवार जानवरों के शहर भर में विचरण करने से भी यातायात काफी हद तक प्रभावित होते हुए देखी जा रही है। इतना ही नहीं जिस तरह नर्मदाजी के पुल के ऊपर पशुओं का डेरा जमा रहता है वह निश्चित तौर से किसी दिन बड़ी घटना को कारण बनने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है. ?



हुये आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा बनने से नहीं चूक रहे है। जबकि लोगों की मांग है कि इन आवारा जानवरों को पकड़ने की व्यवस्था कर उत्पाती पशुओं को कांजी हौस में बन्द कर पशु पालकों को सबक सिखाये, मगर इसके बाद भी नपा प्रशासन द्वारा नगर में स्वच्छंद घूमने वाले जानवरों को नियंत्रण में रखने के संबंध में कोई पहन न करना चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये जान पड़ने से नहीं चूक पा रहा है। वर्तमान में देखा जावे तो नगर के स्टेट स्तर के हाइवे मेन बाजार सहित जनपद कार्यालय व बच्चों के स्कूलों के आसपास दिन रात आवार जानवर आतंक मचाते नजर आ ही रहे है, इसके अलावा रात के समय में

नगर की शालाओं के परिसरों, थाना प्रांगण, शासकीय कार्यालयों के घरों में भी घरों से बेदखल जानवरों का जमावड़ा दिखायी पड़ने से नहीं चूक पा रहा है। नगर की मुख्य सड़क से लेकर कालोनियों की सड़को पर घूमने वाले इन पशुओं में आसानी लड़ाई का नजारा तो इस प्रकार से देखने मिलता है कि वह घंटो तक नगर की सड़को पर जाना की स्थिति निर्मित करने से नहीं चूकते है, जिसके चलते नगर की सड़को से निकलने वाले वाहन चालक असुरक्षित हो जाते है, क्योंकि इस प्रकार से मुख्य मार्गों पर मटर गस्ती के रूप में भ्रमण करने वाले पशुओं के कारण आये दिन स्कूली छात्र छात्राओं सहितत आम लोगों को घायल होते हुए देखा जाता है। इसी के चलते नपा प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की जा रही है कि वह अवारा जानवरों को चिन्हित करके तथा उन्हें उन बेरहम पशु पालकों के हवाले करे जो दूध देने वाली गाय के गले में तो घंटी बांध उसकी पूजा करते है पर जैसे ही उसने दूध देना बन्द किया निर्भम ढंग से उसे आवारा जानवरों की जमात में शामिल कर देते है।

पूरी फीस चुकाने के बाद भी 25 किलो मीटर का सफर खड़े होकर करते हुए मासूम, नियमों को किया जा रहा नजरअंदाज

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। जहां एक ओर पुलिस प्रशासन से लेकर अन्य अधिकारियों द्वारा यातायात व्यवस्था में सुधार लाने के नाम पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। मगर पुलिस द्वारा की जाने वाली यह कार्यवाही औपचारिकता साबित उस समय होने से नहीं चूक पाती है जब अन्य कोई वाहन यातायात नियमों को पूर्णरूप से दर किनार करते हुए धड़ल्ले से पुलिस की आंखों के सामने से गुजरते हुए देखे जाते हैं.? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय सालीचौका क्षेत्र में देखने मिल रही है जहां पर गाइरवारा से निजी स्कूलों की बसे जिस प्रकार से यहां के बच्चों को लेकर जाती है उनकी स्थिति इस प्रकार से देखने मिलती है कि मासूम बच्चे बस के अंदर बैठने की जगह खड़े होकर 25 किलो मीटर दूरी के यात्रा करने के लिए मजबूर होते हुए देखे जा रहे है? जबकि यातायात के नियमों के अनुसार जहां किसी भी शिक्षण संस्था में संचालित होने वाली बस का निर्धारित माप दंडो पर पंजीयन होना

चाहिए, वही बस के अंदर उतने ही छात्रों को बैठाना चाहिए जिस आधार पर बस का पंजीयन हुआ हो..? मगर इस प्रकार से यातायात के नियमों को दर किनार करते हुए जिस प्रकार से निजी स्कूलों के बसों को दौड़ते हुए देखा जा रहा है उसके चलते जहां मासूम बच्चों की जिन्दगी पूर्णरूप से खतरे में दिखाई पड़ रही है। वही दूसरी ओर अभिभावक से शिक्षण संस्था के संचालकों द्वारा बस के नाम पर पूरी फीस लेने के बाद भी उनके बच्चों को बस में खड़े होकर यात्रा करते हुए देखा जाता है? वही शासन के सभी माप दंडो को दर किनारा करते हुये इस प्रकार की बसे ठीक पुलिस चौकी के समाने से प्रतिदिन गुजरते हुए देखी जाती है। मगर इसके बाद भी पुलिस की चुप्पी अनेक संदेहों को जन्म देने से नहीं चूक पा रही है? इस प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र में दौड़ रही अनेक स्कूलों की बसों में आसानी से देखने मिल रहा है जिनमें निर्धारित मात्रा से अधिक बच्चों को भरते हुये यह बसे सड़को पर

दौड़ते हुये देखी जा रही है, जिसके चलते बसों से आने जाने के नाम पर शिक्षण संस्थाओं द्वारा मनमानी फीस बसूलने के बाद भी बच्चों को खड़े होकर यात्रा करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है? जबकि शासन के नियम अनुसार किसी भी बस में क्षमता से अधिक बच्चे बैठाना नियम विरुद्ध माना जाता है, मगर इसके बाद भी प्रशासन में बैठे हुये अधिकारियों की चुप्पी अनेक संदेहों को जन्म देते हुये जान पड़ने से नहीं चूक पा रही है? इस प्रकार से गौर किया जावे तो क्षेत्र में अनेक शिक्षण संस्थाओं द्वारा पूर्णरूप से मनमानी करते हुए जहां मासूम बच्चों की जिन्दगी को खतरे में डालने से नहीं चूक रहे है, वही दूसरी ओर प्रशासन की उदासीनता के चलते यह जान पड़ रहा है कि शायद अधिकारियों द्वारा क्षेत्र में किसी बड़ी घटना का ईंतजार किया जा हो जिसके चलते इस प्रकार से मनमानी करने वाली शिक्षण संस्थाओं को अपना अभयदान देते हुये दिखाई दे रहे है।

बैगलेस डे पर जमाड़ा स्कूल की छात्राओं ने अपने हाथों पर सजाई मेंहदी



हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। शिक्षा विभाग के आदेश पर शासकीय शिक्षण संस्थाओं में एक दिवस बगैर पुस्तको के पढ़ाई कराते हुये बच्चों को कुछ अनोखा प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान किया जाता है। इस दिवस को बैगलेस डे कहा जाता है। इसी के चलते बीते हुये शनिवार को जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम जमाड़ा की शासकीय माध्यमिक शाला में बैगलेस डे की गतिविधियां संपन्न कराई गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने मिट्टी से भगवान शिव एवं गणेश जी की मनमोहक मूर्तियों का निर्माण किया गया। वही इसके अलावा छात्र छात्राओं द्वारा राखियाँ, मेंहदी, पेंटिंग, ड्राइंग, पवन चक्की निर्माण करने के साथ साथ खेल कूद सहित अन्य गतिविधियों को बेहतरे ढंग प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षक अनीता वर्मा एवं निधि उपाध्याय ने बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार माह जुलाई से जनवरी तक कोई माह के किसी भी एक शनिवार को बैगलेस डे मनाये जाने के निर्देश है। इसी क्रम में शनिवार को बैगलेस डे की गतिविधियां संपन्न कराई गई। उक्त गतिविधियां आशा देवी साहू, सोनु बुधेलिया, शालिनी वर्मा, करुणा जाधव, विमला साहू सहित छात्राओं डाली पटेल, पूर्वा पटेल, खुशी नामदेव, लक्ष्मी कुम्हार, वरखा नामदेव एवं राखी गुर्जर के सहयोग से संपन्न हुई।

हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। पर्यावरण की रक्षा के मकसद से हालांकि सरकार से लेकर स्वयं सेवी संस्थाएं व समाज सेवी संस्थाओं द्वारा शहर में लगातार वृक्ष रोपण कराकर नगर की हरीतिाया सलामत रखने की दिशा में निरंतर पहल कर रहे है, किन्तु इसके बावजूद देखने में आ रहा है कि लोक निर्माण विभाग के अधीन आने वाली व्यस्ततम सड़कों के दोनों ओर पुराने पेड़ लगे है, जिसका परिणाम है कि ये पेड़ खोखले होते जा रहे है, उनकी शाखायें बोझिल हो गयी है और दुर्घटनाओं को आमंत्रित करते हुए उनके गिरने का अंदेशा हमेशा बना रहता है। इस बात की सच्चाई कुछ दिवस पहले जब तेज हवा के साथ हुई बारिश के दौरान देखने भी मिल चुका है जब नगर में अनेक जगहों पर उम्र दराज पेड़ बिजली लाईनों पर गिरने के कारण शहर की कई घंटों तक बिजली व्यवस्था ठप्प रही थी। उल्लेखनीय है कि लोकनिर्माण विभाग के अधीन आने वाली स्टेशन से शहर व गाइरवारा से सांईखेड़ा की ओर जाने वाली सड़क के किनारों पर आम और अन्य फलों के वृक्ष सीना तान खड़े है, इनमें से अधिकांश वृक्ष उम्र दराज बताये जाते है। बताया जाता है कि पूर्व वर्षों में उक्त सड़क के किनारे आम के वृक्षों की नीलामी की व्यवस्था संबंधित विभाग द्वारा की जाती थी। किन्तु अब आम के वृक्षों के नीलामी का काम बंद हो गया है और ये पुराने पेड़ बिना धनीधोरी के रह गये है? हालत यह है कि कभी- कभार कई आम के पेड़ बारिश में या तो बीच सड़क पर गिर जाते है या फिर उन्हें शहीद कर दिया जाता है? चौकाने वाली सच्चाई है कि पहले हरिभूमि व आमजनता द्वारा आवाज उठाने के बाद भी लोक निर्माण विभाग के अधीन आने वाली सड़क के किनारे लगे वृक्षों की कांट छांट या उनके रख रखाव का उचित प्रबंध नहीं किया गया है, जिससे पुराने पेड़ अब गंभीर घटनाओं का सबब बनने लगे है, यदि बारिश का मौसम शुरू होने के पहले इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो निश्चित ही किसी बड़ी घटना का कारण बनने से नहीं चूकेगे।

मिलावटी ईंधन से जहर उगल रहे वाहन

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। मिलावट के युग मे वाहनों मे प्रयुक्त हो रहे पेट्रोल डीजल के शुद्ध होने की कल्पना करना ही व्यर्थ है,क्योंकि इसके पूर्व जब नगर में चंद पेट्रोल पंप हुआ करते थे तो उन पर मिलने वाले पेट्रोल व डीजल की गुणवत्ता पर विश्वास किया जाता था, मगर इस समय देखा जा रहा है कि शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार खुल रहे पेट्रोल पंपो के चलते उनसे मिलने वाले ईंधन की गुणवत्ता पर विश्वास करना एक मुश्किल भरा काम हो गया है? बताया जाता है कि इस तरल ईंधन मे मिट्टी के तेल की मिलावट होने से वाहनों से निकलने वाला सफेद गाढ़ा काला धुआं लोगों के स्वास्थ्य को खराब कर रहा है,संबंधित विभागीय अधिकारी कभी कभार इक्का दुक्का वाहनो को पकड़कर मात्र अपनी औपचारिकता निभा खानपूर्ति कर विज्ञप्तियों के माध्यम से वाह वाही लटुने मे परहेज नहीं कर रहे है? नगर सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में दौड़ने वाले सैकड़ो ऐसे वाहन होते है, जिनमे शुद्ध रूप से पेट्रोल व डीजल का उपयोग नहीं हो रहा है? क्योंकि सड़को पर दौड़ने वाले इन वाहनों में मिलावटी ईंधन के कारण इन वाहनों से जो सफेद काला गाढ़ा धुआं निकलता है,उसमे कार्बन की संख्या अधिक रहती है,वायु के साथ कार्बन के ये न दिखने वाले कण वाहनों के आस पास मौजूद लोगों के शरीर मे प्रविष्ट होते ही है साथ ही कपड़ों मे भी चिपक जाते है,लोगों द्वारा रूमाल से अगर चेहरा या शरीर पोछा जाता है तो वह काला हो जाता है, इस समय देखा जा रहा है कि भारी वाहनों विशेषकर ट्रक, डम्पर तथा जीप व क्षेत्र में संचालित टैक्सियों मे डीजल का प्रयोग किया जाता है, उसमें वाहन माहिलों द्वारा सर्वाधिक मिलावट की जाती है,हलांकि पेट्रोल चलित वाहनों विशेषकर दुपहिया वाहनों जिनकी संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है, अतःउनके द्वारा भी वातावरण को प्रदूषित करने के आलावा लोगों को बीमारियां परोसी जा रही है, चिकित्सकों का कहना है कि वातावरण मे कार्बन की मात्रा बढ़ने के कारण शहर के लोगों मे श्वास व हृदय रोग संबंधी शिकायतें बढ़ गयी है।



लाखों भवन हो रहा खंडहर, प्रशासन द्वारा नहीं किया जा रहा है उपयोग



हरिभूमि न्यूज। सांईखेड़ा। जहां एक ओर प्रदेश से लेकर केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सुविधाओं का ध्यान रखते हुए जहां लाखों रुपया खर्च करते हुए नये भवनों का निर्माण करया जा रहा है, वही दूसरी ओर शासन की योजनाओं की सही संचालन कराने के लिए शासकीय भवनों का निर्माण भी किया जा रहा है, मगर देखा जा रहा है कि लाखों रुपया की लागत बने हुए भवन इस समय अनुपयोगी होने के कारण उन्हें खंडहर होने के लिए छोड़ दिये जाते है? जिसके कारण शासन द्वारा इन भवनों के निर्माण में लगाई गई राशि सिर्फ बर्बादी ही साबित होती हुई जान पड़ती है? इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत अनेक जगहों पर देखने मिल रहा है। जहां पर बताया जाता है कि शासन द्वारा क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए लाखों रुपया की लागत से आर आई भवन का निर्माण करया गया था, जिससे उम्मीद थी के शासन द्वारा इस भवन के निर्माण के बाद जब यहां पर आर आई भवन बन जावेगा और इससे किसानों को अनेक सुविधाएं प्रदान होगी? मगर सच्चाई यह है कि लाखों की लागत से यह भवन विगत लम्बे समय से बंजा हुआ पड़ा है, मगर इस भवन के उपयोग नहीं होने के कारण यह खंडहर में तब्दील होवे लगा है। इस प्रकार से नवनिर्मित भवन के खंडहर में तब्दील होने से लाखों रुपया शासन का बर्बाद होने से इंकार नहीं किया जा सकता है? क्षेत्र के लोगों द्वारा शासन प्रशासन से मांग की गई है कि इस भवन को अतिशीघ्र उपयोग में लिया जावे, वही तो इस भवन के दुर्दुर्लभ होने के साथ अतिशीघ्र अतिक्रमण की भेट पढ़ने से बचाना मुश्किल हो सकता है?

चीचली थाना क्षेत्र के अनेक गांवों में बिक रहे है मादक पदार्थ?

हरिभूमि न्यूज/चीचली। नशे के सौदागरों ने गांव गांव अपना जाल बिछा रखा है। युवा पीढ़ी नशे के गिरफ्त में जकड़ती जा रही है, इस ओर प्रशासन की नजर नहीं जा पा रही है, बताया जाता है कि चीचली थाना क्षेत्र के अंतर्गत अनेक गांवों में प्रति माह लाखों रूपयें के अवैध गांजा की बिक्री हो रही है...? सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार यहां की पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता से क्षेत्र में मादक पदार्थों का खुलेआम अवैध धंधा चल रहा है, गांजा बिक्री का यह हाल है कि क्षेत्र के अनेक गांव में सुलभता से मिल सकता है,अंचल के अनेक गांवों में अवैध कच्ची महूआ की शराब व गांजा का कारोबार जमकर फल फूल रहा है। कुछ स्थानों पर तो लम्बे अर्से से अवैध कारोबार चल रहा है। इस गोरख धंधे में युवक महिलाओं के साथ ही छोटे बच्चों भी अब शामिल देखे जा रहे है। इन मादक पदार्थों का कारोबार बढ़ने से कई युवाओं की जिंदगी नशे के चपेट में आ चुकी है,मगर जो बात कही जाती है कि इस क्षेत्र में पदस्थ होने के लिए वर्दीधारी उच्चस्तर से जोर लगाते है कि उन्हें क्षेत्र की बागडोर मिल जावे यदि उनके जिम्मे यह क्षेत्र हो जाता है तो लोग कहते है उनकी तो पांच उंगली घी में होती है। इस बात की सच्चाई इस समय देखने को मिल रही है इस प्रकार कच्ची महूआ पदार्थों बिक्री हो रही है उसी तरह से अनेक गांवों में जुआ का कारोबार में चलने की चर्चा जोरो पर है, यदि उच्चाधिकारियों द्वारा समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया तो स्थिति कंट्रोल से बाहर होने में कोई कसर नहीं रहेगी।

मिलावटी ईंधन से जहर उगल रहे वाहन

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। मिलावट के युग मे वाहनों मे प्रयुक्त हो रहे पेट्रोल डीजल के शुद्ध होने की कल्पना करना ही व्यर्थ है,क्योंकि इसके पूर्व जब नगर में चंद पेट्रोल पंप हुआ करते थे तो उन पर मिलने वाले पेट्रोल व डीजल की गुणवत्ता पर विश्वास किया जाता था, मगर इस समय देखा जा रहा है कि शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार खुल रहे पेट्रोल पंपो के चलते उनसे मिलने वाले ईंधन की गुणवत्ता पर विश्वास करना एक मुश्किल भरा काम हो गया है? बताया जाता है कि इस तरल ईंधन मे मिट्टी के तेल की मिलावट होने से वाहनों से निकलने वाला सफेद गाढ़ा काला धुआं लोगों के स्वास्थ्य को खराब कर रहा है,संबंधित विभागीय अधिकारी कभी कभार इक्का दुक्का वाहनो को पकड़कर मात्र अपनी औपचारिकता निभा खानपूर्ति कर विज्ञप्तियों के माध्यम से वाह वाही लटुने मे परहेज नहीं कर रहे है? नगर सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में दौड़ने वाले सैकड़ो ऐसे वाहन होते है, जिनमे शुद्ध रूप से पेट्रोल व डीजल का उपयोग नहीं हो रहा है? क्योंकि सड़को पर दौड़ने वाले इन वाहनों में मिलावटी ईंधन के कारण इन वाहनों से जो सफेद काला गाढ़ा धुआं निकलता है,उसमे कार्बन की संख्या अधिक रहती है,वायु के साथ कार्बन के ये न दिखने वाले कण वाहनों के आस पास मौजूद लोगों के शरीर मे प्रविष्ट होते ही है साथ ही कपड़ों मे भी चिपक जाते है,लोगों द्वारा रूमाल से अगर चेहरा या शरीर पोछा जाता है तो वह काला हो जाता है, इस समय देखा जा रहा है कि भारी वाहनों विशेषकर ट्रक, डम्पर तथा जीप व क्षेत्र में संचालित टैक्सियों मे डीजल का प्रयोग किया जाता है, उसमें वाहन माहिलों द्वारा सर्वाधिक मिलावट की जाती है,हलांकि पेट्रोल चलित वाहनों विशेषकर दुपहिया वाहनों जिनकी संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है, अतःउनके द्वारा भी वातावरण को प्रदूषित करने के आलावा लोगों को बीमारियां परोसी जा रही है, चिकित्सकों का कहना है कि वातावरण मे कार्बन की मात्रा बढ़ने के कारण शहर के लोगों मे श्वास व हृदय रोग संबंधी शिकायतें बढ़ गयी है।



खबर संक्षेप

दुकान के सामने मिला अघेड़ का शव, पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरु की जांच

कोतमा। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 7 में ज्योति पेट्रोल पंप के पास शनिवार सुबह एक दुकान के सामने अघेड़ व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सुबह दुकान के सामने शव पड़ा देख स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक की पहचान के प्रयास शुरू किए। करीब तीन घंटे बाद पहुंचे परिजनों ने मृतक की पहचान कुंवर सिंह (56 वर्ष) के रूप में की। परिजनों के अनुसार कुंवर सिंह वर्तमान में बलियाटोला में रहकर पल्लेदारी का काम करता था। वह मूल रूप से अमलाई, थाना मालमाड़ा क्षेत्र का रहने वाला था। बताया गया कि कुंवर सिंह शराब पीने का आदी था। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि शुक्रवार रात शराब के नशे में वह दुकान के सामने गिर गया होगा और वहीं उसकी मौत हो गई। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की तथा मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कलेक्टर ने सोनमौहरी के जंगल में हाथियों के किए दर्शन

अनूपपुर। दो हाथियों का समूह शुक्रवार के दिन वन परिक्षेत्र जैतहरी के गाम पंचायत एवं वन बीट गोबरी के जंगल में दिनभर बिताने बाद शाम से ही चलना प्रारंभ कर गाम पंचायत पंगना के जल्दाटोला, पंगनाकछरा, गाम पंचायत गोबरी के बेलियाकछरा, गाम पंचायत खुलहा के बेलिया से देर रात त्रिपान नदी, अनूपपुर-जैतहरी रेलवे लाईन एवं मुख्य मार्ग को पार करते हुए शनिवार की सुबह अमगवां के गोहाटोला से वन परिक्षेत्र, थाना अनूपपुर के गाम पंचायत एवं वन बीट सोनमौहरी के जंगल में पहुंचकर दिन में विश्राम कर रहे हैं हाथियों द्वारा रात में विचरण दौरान बेलिया एवं अमगवां के दो ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ कर घर के अंदर रखे खाने की सामग्रियों को के साथ अनेकों किसानों के खेतों में लगे विभिन्न तरह की फसलों को रात भर अपना आहार बनाया है।

कजलियों की शोभायात्रा में दिखी शहपुरा की सांस्कृतिक एकता



शहपुरा। नगर में पारंपरिक कजलियां पर्व हर्षोल्लास, उमंग और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। कजलियां पर्व को लेकर नगर में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा। पर्व की पारंपरिक रस्मों के तहत श्रीराम-जानकी मंदिर से कजलियों की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बच्चे, युवा, महिलाएं, बुजुर्ग सहित बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कसा नदी तट पहुंची। इस दौरान लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों का निर्वहन करते हुए कजलियों के पर्व में सहभागिता की। यात्रा



गौराकन्हारी में जन विश्वास शिविर, 115 आवेदनों का मौके पर निराकरण



डिंडोरी। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026 के तहत शनिवार को ग्राम पंचायत गौरा कन्हारी में जन विश्वास अभियान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं और मांगों को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए। कुल 115 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत हितलाभ भी वितरित किए गए। शिविर में डिंडोरी विधायक ओमकार मरकाम, शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, जिला पंचायत

अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते, भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया, जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जेपी यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेखा सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

गांव में पहुंच रहा प्रशासन

डिंडोरी विधायक ओमकार मरकाम ने कहा कि जन विश्वास अभियान के माध्यम से प्रशासन ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का



समाधान कर रहा है। जिला और विकासखंड मुख्यालय दूर होने के कारण ग्रामीणों को कई बार परेशानी होती है। गांव में शिविर लगने से उन्हें एक ही स्थान पर शासन की योजनाओं और विभिन्न विभागों की सेवाओं का लाभ मिल रहा है। शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। पानी, बिजली, सड़क, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और भूमि से जुड़ी समस्याओं का समाधान शिविर के माध्यम से किया जा रहा है।

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि ग्रामीणों को छोटी-बड़ी समस्याओं के लिए जिला अथवा विकासखंड कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े, इसी उद्देश्य से प्रशासन गांवों में पहुंचकर शिविर लगा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर गंभीरता से कार्रवाई करने और मौके पर निराकरण संभव नहीं होने वाले प्रकरणों का समय-समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए। शिविर के दौरान कलेक्टर ने राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह वृहद बालक आश्रम, गौरा कन्हारी का निरीक्षण किया।



उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई, दैनिक गतिविधियों और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने छात्रों को जूते-मोजे और पानी की बोतल प्रदान करते हुए नियमित अध्ययन, अनुशासन और मेहनत के लिए प्रेरित किया।

स्वास्थ्य सेवाओं का भी मिला लाभ

शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 64 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, जबकि 40 लोगों की रक्त जांच की गई। बुखार, रक्तचाप, शरीर दर्द, सिर दर्द और कमजोरी सहित

विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच की गई। आयुष विभाग ने 70 लोगों का पंजीयन कर आवश्यकतानुसार दवाइयां उपलब्ध कराईं। शिविर में विभिन्न विभागों ने अपनी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ वितरित किया। जन विश्वास अभियान के माध्यम से प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।



सड़क नहीं बनी तो ग्रामीणों ने सड़क पर ही रोप दिया धान

तीन किलोमीटर बढहाल मार्ग से परेशान ग्रामीणों का अनोखा विरोध



शहपुरा। जनपद पंचायत शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया की पोषक ग्राम धनगांव और पड़रिया कला के बीच करीब तीन किलोमीटर लंबे कच्चे मार्ग की बदहाली ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बारिश के बाद मार्ग की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि सड़क और खेत के बीच अंतर करना मुश्किल हो गया है। कीचड़ और फिसलन से भरे इस रास्ते से आवागमन करना ग्रामीणों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग कर रहे ग्रामीणों ने शुक्रवार को अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराते हुए सड़क के बीच ही धान का रोपा लगा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण को लेकर वे लंबे समय से अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मांग करते आ रहे हैं, लेकिन हर बार आश्वासन के अलावा उन्हें कुछ नहीं मिला। ग्रामीणों के अनुसार पिछले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान भी सड़क की बदहाली को लेकर उन्होंने चुनाव बहिष्कार किया था। उस समय सड़क निर्माण का आश्वासन दिया गया, लेकिन चुनाव के बाद स्थिति जिस की तस बनी हुई है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

सड़क पर धान रोपकर जताया विरोध

शुक्रवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण पड़रिया कला से धनगांव जाने वाले मार्ग पर पहुंचे और कीचड़ से लथपथ सड़क के बीच धान का रोपा लगाकर अपना विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों ने कहा कि जब सड़क की हालत खेत जैसी हो गई है और इस पर वाहन तक नहीं चल पा रहे हैं, तो यहां धान की खेती ही कर लेना बेहतर है। ग्रामीणों का यह विरोध वर्षों से

चली आ रही समस्या के प्रति जिम्मेदारों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश है। उनका कहना है कि बारिश के दिनों में पूरा मार्ग दलदल में तब्दील हो जाता है। दोपहिया वाहन चालकों के फिसलकर गिरने का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों के मुताबिक कई बार वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार भी हो चुके हैं।

स्कूली बच्चों और मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी

धनगांव के ग्रामीणों के लिए शहपुरा पहुंचने का यह प्रमुख मार्ग है, लेकिन सड़क की बदहाल स्थिति के कारण सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को उठानी पड़ रही है। बारिश के दौरान दोपहिया वाहनों का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। वहीं चारपहिया वाहन और आटो भी कई बार कीचड़ में

खरमेर नदी में की गई कजलियां विसर्जित



अमरपुर। जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर सहित आसपास के सभी गांवों में शनिवार को प्रेम और भाईचारे के साथ प्रकृति के अनुपम उपहार फसलों से जुड़ा पर्व कजलियां धूमधाम से ब्यौंक भर में मनाया गया। खरमेर नदी में कजलियां विसर्जन का रिलसिला देर शाम तक जारी रहा। विशेषकर नव्वे मुखे बच्चों, युवतियों और महिलाओं में अधिक उत्साह देखा गया। कजलियां विसर्जन के बाद लोग एक दूसरे को शुभकामनाएं देते देखे गए। वर्तमान समय की व्यस्तता के बावजूद भी हिंदू धर्म में त्योहारों का महत्त्व आज भी बरकरार है। पुरातन समय से चली आ रही है यह परंपरा लोगों के मेल मिलाप का अवसर मानी जाती हैं। इस दिन अपना बैर, द्वेष मुलाकर लोग कजलियां एक दूसरे को देकर मैत्री भाव प्रकट करते हैं। एवं मंगाने दोपहर बाद से ही बच्चे, युवतियों और महिलाएं सिर पर कजलियां की टोकरी लेकर खरमेर नदी की ओर जाते नजर आए। खरमेर नदी में कजलियों का पूजन अर्चन करने के बाद खरमेर तट में बनी शिवलिंग पर कजलियां अर्पित की गईं। इसके बाद परिवार और समाज में एक दूसरे को कजलियां देकर वाते मिले।

निर्माण के कुछ माह में ही सड़कों की हालत खराब

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में निर्मित सीमेंट कांक्रीट (सीसी) सड़कों की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ग्राम पंचायत रमपुरी, झिलमिला, भाखा और परसेल में बनाई गई सड़कों के निर्माण के एक-दो माह बाद ही उखड़ने की शिकायतें सामने आई हैं। कुछ सड़कें तो अब आवागमन के लायक भी नहीं रह गई हैं। इन मामलों को लेकर समाचार प्रकाशित होने के बावजूद अब तक जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं होने से सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं करीजया जनपद क्षेत्र में पुलिस क्षतिग्रस्त होने के मामले में जिला कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ द्वारा संबंधितों को नोटिस जारी किया गया है। ऐसे में अमरपुर क्षेत्र में सामने आई निर्माण संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। इंग्लिश मीडियम आश्रम एवं उत्कृष्ट बालक छात्रावास के सामने जनजातीय कार्य विभाग द्वारा निर्मित सीसी सड़क की हालत भी खराब बताई जा रही है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत मौहारी में जनवरी में सड़क निर्माण के लिए राशि आहरित किए जाने के बावजूद लंबे समय तक काम शुरू नहीं हुआ। समाचार प्रकाशन के बाद जून में सड़क का निर्माण कराया गया। ग्रामीणों का कहना है कि इन मामलों की जांच कर निर्माण की गुणवत्ता, राशि आहरण और कार्य में हुई देरी की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। ब्लॉक कांग्रेस कमेटे अमरपुर अध्यक्ष महेंद्र ठाकुर ने कहा कि ग्राम पंचायतों में सीसी सड़क निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी की शिकायतें सामने आ रही हैं। इन सभी निर्माण कार्यों को निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई होना आवश्यक है।



ख़बर संक्षेप

वाहन की टक्कर में किशोर घायल

नरसिंहपुर। शहर के संजय मेडिकल के पास सड़क हादसे में 17 वर्षीय किशोर घायल हो गया। घायल की पहचान धवाई निवासी चंद्रमान मेहरा, पिता राजेंद्र मेहरा के रूप में हुई है। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायल किशोर को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने मौके की जानकारी जुटाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बाइक दुर्घटना युवक घायल

नरसिंहपुर। अष्टांग चिकित्सालय के सामने हुए सड़क हादसे में गोकुलधाम कॉलोनी निवासी 22 वर्षीय विवेक विश्वकर्मा घायल हो गए। हादसे के बाद राहगीरों ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। चिकित्सकों की निगरानी में घायल युवक का इलाज चल रहा है।

महिला ने किया जहरीली वस्तु का सेवन

नरसिंहपुर। ठेमी थाना क्षेत्र के ग्राम बैौशर में 35 वर्षी महिला ने घर में अज्ञात विषैली दवा का सेवन कर लिया। महिला को पहचान आरती मेहरा, पति गोपाल मेहरा, के रूप में हुई है। तबीयत बिगड़ने पर परिजनो ने महिला को तत्काल जिला अस्पताल नरसिंहपुर में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। घटना के कारणों की जानकारी सामने नहीं आई है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर तीन दिवसीय अस्पर्तान प्रारंभ



नरसिंहपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में खेल सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित कर विद्यार्थियों ने फिट इंडिया प्रतिक्षा ली। इसके साथ ही विद्यालय में तीन दिवसीय खेल एवं फिटनेस गतिविधियों का शुभारंभ हुआ। उक्त अवसर पर विद्यालय की छात्रा वॉलीबॉल प्लेयर रागिनी पटेल को सम्मानित किया गया। तीन दिवसीय आयोजन का समापन 31 अगस्त को 'फिट इंडिया सैंड आन साइकिल' कार्यक्रम के साथ किया जाएगा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों के साथ स्थानीय नागरिकों को भी नियमित व्यायाम, साइकिलिंग और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जाएगा k

साइबर ठगों ने 39 हजार से अधिक रुपये पार

नरसिंहपुर। जिले में साइबर ठगी के दो अलग-अलग मामलों में ग्रामीणों के बैंक खातों से कुल 39,296 रुपये गिरावला लिए गए। पोंड्रिंते ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है और मामले की जांच कर राशि वापस दिलाने की मांग की है। पहली घटना ग्राम विक्रमपुर निवासी कौरत सिंह मल्लाह के साथ हुई। उनका पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में खाता है। खाते में जमा 20,616 रुपये में से 6 अगस्त को 5 हजार और 15 अगस्त को 10 हजार रुपये अचानक निकल गए। कौरत सिंह के अनुसार उन्होंने किसी व्यक्ति के साथ बैंक संबंधी जानकारी या ओटीपी साझा नहीं किया था। बैंक में शिकायत करने पर उन्हें साइबर सेल में आवेदन देने की सलाह दी गई। दूसरी घटना करेली तहसील के ग्राम ग्वारी निवासी 43 वर्षीय चैहान सिंह लोधी के साथ हुई। वे 16 अगस्त को परिजनों के साथ चित्रकूट गए थे। 18 अगस्त को मोबाइल खराब होने पर उन्होंने वहीं एक दुकान से स्क्रीन बदलवाई। मोबाइल चालू करने के बाद फोन-पे की जांच की तो खाते से 24,296 रुपये गायब मिले। जांच में राशि यूपीआई के माध्यम से आकाश यादव नामक व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर होना सामने आया।

लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश की उड़ रही धजिरायों, अतिथि शिक्षकों को श्रावण पर भी नहीं मिला वेतन

तेंदूखेड़ा अल्प वेतन पर गुणवत्ता पूर्ण तरीके से शैक्षणिक व्यवस्था में पूरी इमानदारी से शासकीय स्कूलों में पिछले 18 वर्षों से सेवायें देते चले आ रहे अतिथि शिक्षकों को माहौ बहि्न के पवित्र बड़े त्यौहार प्राशन श्रावण में भी वेतन नहीं मिला। निश्चित तौर पर यह उनके साथ मखौल उड़ाना ही प्रतीत होता है। वहीं लोक शिक्षण संचालनालय के उस आदेश की भी धजिरायें उड़ाई जा रही हैं जिसमें हर पांच तारीख तक वेतन उपलब्ध कराये जाने के आदेश दिए गए हैं। वैसे भी इन अतिथि शिक्षकों को जुलाई माह का वेतन नहीं मिला है ऊपर से अगस्त माह में भी सनातन संस्कृति के इस बड़े त्यौहार पर वेतन ना मिला सोचनीय विषय बना हुआ है। बल्क इकाई अध्यक्ष राहुल पाठक ने बताया कि अतिथि शिक्षकों ने उधार पैसे और किराना लेकर मायूसी से यह त्यौहार मनाया। वहीं वरिष्ठ प्रबंधिकारी जीवेश चौरसिया ने बताया कि पिछले 18 सालों से अपने नियमतीकरण की आशा से अल्प वेतन पर काम कर रहे संघर्षरत अतिथि शिक्षकों के भविष्य को सिर्फ कोरे आश्वासनों के



हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। शनिवार को जिले में कजलियां पर्व हर्षोल्लास के साथ परंपरागत ढंग से मनाया गया। स्नेह और भाईचारे का प्रतीक कजलियां पर्व रविवार को समूचे जिले में परंपरागत रूप से मनाया गया। यह पर्व रक्षाबंधन के दूसरे दिन मनाया जाता है। कजलियां पर्व पर लोगों ने एक दूसरे को कजलियों का आदान प्रदान कर पुराने गिले शिकवे दूर किए और पर्व की शुभकामनाएं दीं। इसी प्रकार सनातन धर्म की संस्कृति के अनुसार मिलन समिति द्वारा कजलियां मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी ने एक दूसरे को कजलियां का आदान प्रदान कर आपसी भाईचारा को संवेदन बिहाने का संकेत लिया गया एवं अनरव वाले परिवार में जाकर संवेदना व्यक्त की। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगहों पर परंपरागत ढंग से अनरव के कार्यक्रम देर रात तक चलते रहे।

नई फसल का प्रतीक कजलियां पर्व

कजलियां पर्व राखी यानी रक्षा बंधन पर्व के दूसरे दिन मनाया जाता है। इसे कई स्थानों पर भुजरियां नाम से भी जाना जाता है। यह त्योहार प्रकृति प्रेम और खुशहाली से जुड़ा पर्व है। इसका प्रचलन सदियों से चला आ रहा है। शनिवार को यह

काल्पनिक के लघुकथा संकलन जीवन चित्र का हुआ विमोचन

हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। पाथेय साहित्यिक उपक्रम जबलपुर के तत्वावधान में नगर के वरिष्ठ साहित्यकार राकेश माहेश्वरी काल्पनिक की पांचवी कृति जीवन चित्र लघुकथा संकलन का विमोचन समारोह साहित्यकारों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व महार्षि डॉ स्वाति गोडबोले ने कहा कि लघुकथा कम शब्दों में जीवन के व्यापक यथार्थ और सत्य को अभिव्यक्ति देती है



वरिष्ठ साहित्यकार अमरेंद्र नारायण ने अपने अध्यक्षीय उद्घोशन में बतलाया कि लघुकथा समाप्त होने के बाद भी पाठक के अंतर्मन में

गोटेगांव की बेटी स्वस्ति जैन ने जीता गोल्ड मेडल

गोटेगांव/जबलपुर। मध्य प्रदेश की उमरती युवा निशानेबाज स्वस्ति जैन ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए गोटेगांव का नाम रोशन किया है। 13वीं मध्य प्रदेश स्टेट एयर वेक्नस – गन फॉर ग्लोरी शूटिंग प्रतियोगिता 2026 में स्वस्ति जैन ने शानदार निशानेबाजी करते हुए स्वर्ण पदक (Gold Medal) अपने नाम किया। स्वस्ति जैन, पिता श्री राजीव जैन (टीन), की इस उपलब्धि से गोटेगांव क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।स्वास बात यह है कि स्वस्ति जैन ने पिछले वर्ष भी इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। लगातार दूसरी बार प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल करना उनकी निरंतर मेहनत, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाता है।स्वस्ति की उपलब्धियों का मिलसिला यहीं नहीं रुका है। वर्ष 2025 में उन्होंने SGI National Shooting Championship में कांस्य पदक (Bronze Medal)



हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा साबित की थी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लगातार सफलता और राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के बाद स्वस्ति अब निशानेबाजी के क्षेत्र में गोटेगांव और मध्य प्रदेश की उमरती प्रतिभाओं में अपनी पहचान बना रही हैं।जबलपुर में हुई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता।3वीं मध्य प्रदेश स्टेट एयर वेक्नस – गन फॉर ग्लोरी शूटिंग प्रतियोगिता 2026 का आयोजन 20 से 26 अगस्त 2026 तक जबलपुर स्थित Gun For Glory Shooting Academy में किया गया। प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों और क्षेत्रों से बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली निशानेबाजों ने हिस्सा लिया।प्रतियोगिता के दौरान एयर राइफल और एयर पिस्तौल सहित विभिन्न वर्गों में खिलाड़ियों के मुकाबले आयोजित किए गए।

बारौंझ और पाणाझिर नदी में बाढ़



तेंदूखेड़ा। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिस के चलते तेंदूखेड़ा बरमान मुख्य सड़क मार्ग पर बारौंझ नदी इमझिरा और पाणाझिर नदी डोभी के पुल पर गत रात्रि से अत्याधिक पानी आ जाने के कारण दोनों पुल ललमग्न हो गए हैं जिससे आवागमन पूर्ण रूप से बंद हो गया है। रास्ता बंद होने के कारण

अलावा कुछ नहीं मिला। दो माह बिना मानदेय छुट्टी में व्यतीत होने के बाद जैसे तेसे एक उम्मीद की किरण रोजगार के लिए अतिथि शिक्षकों के लिए जागी थी परंतु परिणाम इसके विपरीत मिला। लगातार चार माह के लंबे अंतराल के बाद रक्षाबंधन जैसे पावन पर्व पर अतिथि शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार किया गया। प्रदेश के हजारों अतिथि शिक्षकों को लोक शिक्षण संचालनालय की आदेश के बाद भी रक्षाबंधन के पूर्व जुलाई माह का भी भुगतान नहीं हो पाया। जिसके कारण प्रदेश के हजारों अतिथि शिक्षकों को अपना त्यौहार भी वे रंग ही मनाना पड़ा। जबकि अतिथि शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में जो आदेश विभाग के द्वारा जारी गया था उसमें स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था कि माह की 5 तारीख तक पूर्व माह का भुगतान अतिथि शिक्षकों को

अनिवार्य रूप से किया जाना था। परंतु लालफीताशाही व्यवस्था के कारण किस तरह मध्यप्रदेश शासन के लोक शिक्षण संचालनालय के आदेशों की धजिरायें उड़ाई जा रही है। यह बेसहारा अतिथि शिक्षकों के भविष्य को देखकर लगाया जा सकता है। 18 वर्षों से विभिन्न शासकीय स्कूलों में काररत इन अतिथि शिक्षकों के लिए आज तक सरकारों के द्वारा कोई ठोस नीति तैयार नहीं की। जिसके कारण उनका भविष्य भी सुरक्षित नहीं हो पा रहा है।दिधानसभा चुनाव के पूर्व जरूर एक उम्मीद की कारण जानात हुई थी जब तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अतिथि शिक्षकों के भविष्य को लेकर राजधानी भोपाल के लाल परेड गार्ड्स से नीति बनाने और भविष्य में गुरु जी की तर्ज पर परीक्षा लेने जैसी महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई थी परंतु चेहरा बदलते ही उन सभी घोषणाओं पर आज तक किसी प्रकार का कोई अमली जामा नहीं पहनाया गया। जिसके कारण से अतिथि शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार देखने मिल रहा है।

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानन्द सरस्वती जी महाराज का 68वाँ जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं सेवा भाव के साथ मनाया जाएगा

ज्योतिश्वर/नरसिंहपुर। अनन्त श्री विष्णुश्रित पश्चिमाग्न्याय झरका शरदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानन्द सरस्वती जी महाराज ने ‘‘68वें जन्मोत्सव’’ के पावन अवसर पर देशभर में श्रद्धा एवं आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण है। पूज्यपाद शंकराचार्य जी महाराज ने सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति, शिक्षा, चिकित्सा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण कार्यों को गति प्रदान की है।पूज्य महाराज जी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से ‘‘शंकराचार्य नेत्रालय, श्री शंकराचार्य बाल विद्या निकेतन एवं श्री जगद्गुरु शंकराचार्य महाविद्यालय’’ जैसे सेवा एवं शिक्षा के महत्त्वपूर्ण संस्थानों का निर्माण करया गया। इन संस्थानों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक शिक्षा, स्वास्थ एवं संस्कार



की सुविधाएं पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।### चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में शंकराचार्य नेत्रालयपूज्यपाद महाराज जी की सेवा एवं परोपकार के संकल्प को साकार करते हुए ‘‘शंकराचार्य नेत्रालय, ज्योतिश्वर श्रीधाम, नरसिंहपुर’’ समाज के लिए एक महत्त्वपूर्ण स्वास्थ सेवा केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। नेत्र रोगों से पीड़ित जरूरतमंद लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं ऑपरेशन जैसी सेवाओं के माध्यम से मानव सेवा का कार्य निरंतर



पर्व खुशी व निराशा के साथ मनाया गया। पर्व की मान्यतानुसार इसका प्रचलन राजा आल्हा ऊदल के समय से है। यह पर्व अच्छी बारिश, अच्छी फसल और जीवन में सुख-समृद्धि की कामना से किया जाता है। तकरीबन एक सप्ताह में गेहूं के पौधे उग आते हैं, जिन्हें भुजरियां कहा जाता है। फिर रक्षा बंधन के दूसरे दिन महिलाओं द्वारा इनकी पूजा-अर्चना करके इन टोकरियों को जल स्त्रोतों में विसर्जित किया जाता है। उसके बाद एक दूसरे को कजलियां देकर भाई चारे को बढ़ाया जाता है।

खुशी व निराशा मिली देखने

कजलियों का पर्व मध्य भारत और विशेष रूप से बुंदेलखंड



की लोक संस्कृति का एक पारंपरिक एवं महत्वपूर्ण पर्व है। जिले में भी यह पर्व वर्षों से सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे के प्रतीक के रूप में मनाया जाता रहा है। इस दिन आल्हा गायन की परंपरा के बाद लोग एक-दूसरे को कजलियाँ भेंट कर पुराने मनमुटाव और मतभेद समाप्त करते हैं तथा खुशियाँ साझा करते हैं। वहीं, शोक संतप्त परिवारों के घर जाकर संवेदना व्यक्त करने की भी परंपरा रही है। जिले में लंबे समय से कजलियों के पर्व पर स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता रहा है। लेकिन इस वर्ष प्रशासन द्वारा कजलियां पर्व पर अवकाश घोषित नहीं किया गया जिससे शिक्षकों व शासकीय कर्मचारियों को निराशा का सामना करना पड़ा। प्रशासन द्वारा अवकाश घोषित ना करने त्यौहार की खुशियां फीकी सी भी नजर आई और मजबूरी बस

खेलो इंडिया संवाद पर हुआ संवाद

हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नरसिंहपुर में प्राचार्य डॉ. आलोक तिवारी के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रानी कुमारी के निर्देशन एवं पहल पर, सह-कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रीति कौरव, गगन ताम्रकार जी एवं खेल विभाग से अर्पित सक्सेना के सहयोग से राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना एवं खेल गतिविधियों से जुड़े विद्यार्थियों के संयुक्त तत्वावधान में खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं में खेलों के प्रति जागरूकता, खेल भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति रसिक को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में विशिस्ट अतिथी के रूप मे जालम सिंह पटेल पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री, श्रीमती निशा सोनी भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की अध्यक्ष, योगेश



शर्मा वरिष्ठ वॉलीबॉल खिलाड़ी एवं प्रथम एनआईएस कोच, विकास शर्मा कृ एनआईएस कबड्डी कोच एवं नरसिंहपुर के वरिष्ठ कबड्डी प्रशिक्षक, मृदुलेश दुबे मध्यप्रदेश वॉलीबॉल एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष एवं वरिष्ठ राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी तथा महेन्द्र कौरव भारतीय जनता पार्टी, नरसिंहपुर खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं बरमान स्थित शिवाजी क्लब एवं शक्ति क्लब के संस्थापक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

शिक्षा केन्द्र के अपर संचालक देवभूषण प्रसाद ने लिया शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा, व्यवस्थाएं संतोषप्रद



राजेन्द्र सोनी सहित विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रही। उपस्थित स्टाफ द्वारा विद्यालय में संचालित योजनाओं एवं गतिविधियों से संबंधित आवश्यक जानकारी अधिकारियों को उपलब्ध कराई गई।इस अवसर पर शिरोष कुमार वर्मा, वीरेन्द्र मेहरा, राजेश नेमा, नरेन्द्र विश्वकर्मा, आशीष जैन, मनोज पटेल, अनिल पटेल, अजित श्रीवास्तव, कमलेश पटेल, राकेश

पटेल, रामकृष्ण मेहरा एवं सतीश पीपरोलिया उपस्थित रहे। वहीं शिक्षिकाओं में माधुरी शर्मा, सपना नेमा, संयोगिता शर्मा, जया सोनी, नितिशा शर्मा, तपस्या पटेल, रक्षा बरोडिया एवं कु. दीक्षा गुप्ता की उपस्थिति रही।मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत विद्यालयों का निरीक्षण किए जाने से शासकीय योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की स्थिति सामने आती है। अधिकारियों द्वारा किए जा रहे निरीक्षण से विद्यालयीन व्यवस्थाओं में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में भी इसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

